भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

**लोक सभा**

अतारांकित प्रश्न सं. 2628

(जिसका उत्तर सोमवार, 09 मार्च, 2026/18 फाल्गुन 1947 (शक) को दिया जाना है)

**निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के आगम में गिरावट**

**2628. श्री अभिषेक बनर्जी:**

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने इस बात पर ध्यान दिया है कि हाल के वर्षों में जीडीपी वृद्धि के बावजूद जीडीपी के प्रतिशत के रूप में निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में गिरावट आई है? और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) गत पांच वर्षों के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आगम का वर्षवार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने एशिया महाद्वीप की समकक्ष अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) संबंधी निष्पादन का कोई तुलनात्मक मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)**

(क) से (ग): प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आर्थिक विकास के लिए गैर-ऋण वित्तीय संसाधन का एक प्रमुख स्रोत माना जाता है। भारत में सकल एफडीआई प्रवाह पिछले एक दशक से अधिक समय से लगातार बढ़ रहा है। एफडीआई अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक स्थायी पूंजी का संचार करता है और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, रणनीतिक क्षेत्रों के विकास, नवाचार, प्रतिस्पर्धा और रोजगार सृजन जैसे अन्य लाभों में योगदान देता है। सकल एफडीआई प्रवाह 2012-13 में 34 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 80 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के दौरान दर्ज किया गया कुल एफडीआई प्रवाह (50.36 अरब अमेरिकी डॉलर) पिछले वर्ष की इसी अवधि (43.37 अरब अमेरिकी डॉलर) की तुलना में 16% बढ़ा है। यह किसी भी वित्तीय वर्ष की पहली छमाही के लिए अब तक का सबसे अधिक है।

हाल ही में निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह में वृद्धि का संबंध स्वदेश वापसी/ विनिवेश में वृद्धि और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (ओडीआई) बहिर्वाह में वृद्धि से है। 2022 में अधिसूचित उदारीकृत ओडीआई नियमों के कारण ओडीआई बहिर्वाह से भारतीय संस्थाओं को विदेशों में अपने व्यावसायिक विस्तार को बढ़ाने में मदद मिल रही है, जिससे वे वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो रही हैं और दीर्घकाल में भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। स्वदेश वापसी की बढ़ती प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि भारत न केवल विदेशी पूंजी को आकर्षित कर रहा है, बल्कि मजबूत प्रतिफल भी दे रहा है, जिससे एक विश्वसनीय निवेश गंतव्य के रूप में इसकी प्रतिष्ठा बढ़ रही है। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में निवल एफडीआई प्रवाह नीचे दिया गया है:

| **वित्तीय वर्ष** | **सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)** |
|---|---|
| 2020-21 | 1.64 |
| 2021-22 | 1.22 |
| 2022-23 | 0.86 |
| 2023-24 | 0.29 |
| 2024-25 | 0.03 |

स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक

यूएनसीटीएडी की विश्व निवेश रिपोर्ट 2025 के अनुसार, वैश्विक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह में 2023 की तुलना में 2024 में 11% की गिरावट आई। एशिया शीर्ष प्राप्तकर्ता क्षेत्र बना रहा, हालांकि कुल प्रवाह में 3% की गिरावट और चीन में प्रवाह में 29% की कमी आई। हालांकि, इसी अवधि के दौरान भारत में एफडीआई प्रवाह में 2% की मामूली गिरावट दर्ज की गई।

*****